फादर डे पर विशेष
बाबा से पिता के सम्बन्ध का अनुभव

मीठे बाबा! आप ही मेरे पिता हो, आपने मुझे करोड़ों में से आकर ढूँढा। मैं कितनी सौभाग्यशाली, पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूँ जो स्वयं आपने मुझे अपना बना कर अपने कन्धे पर बिठा लिया। अहो! बाबा, सचमुच आप कितने मीठे हो। मैं तो कहाँ–कहाँ भटक रहा था। जगह–जगह जाकर धक्के खाता रहता था। आपको तो जानता ही नहीं था। अनाथ बन गया था। बाबा आपने मुझे अपना बच्चा बनाकर सनाथ बना दिया, दिलखुश कर दिया।

हे मेरे परमपूज्य पिता ज आप कितने निरंहकारी हो जो आप बच्चों की सेवा में ही लगे रहते हो, अपने से भी ऊँचा बना देते हो, सारी विश्व की बादशाही देकर खुद परमधाम में बैठ जाते हो। अहो बाबा! पिता बन कर आपने हमें कितनी मुसीबतों से बचा लिया। हमारे ऊपर कितने दुःखों के पहाड़ गिरते रहते थे। कहाँ फंसे पड़े थे हम पुरानी दुनिया में, हमें तो विकारों ने ही जकड़ रखा था। बिल्कुल बेसमझ बन गया था। विकारी बन गया था।

बाबा! आप ही मेरे सच्चे–सच्चे पिता हो, आपने आकर हमें विकारों में जाने से बचा लिया। बाबा सच में अब हमें सुख की सांस मिली है। लौकिक पिता तो विकारों में धकेलते रहते हैं कुछ भी तरस नहीं करते।

हे मेरे रहमदिल पिता जी! आपने मुझ पर कितना रहम किया मेरी कोई कमजोरी नहीं देखी, सीधा ही अपना बना लिया। अपना बनाकर हमें 21 जन्मों के लिये स्वर्ग की बादशाही देते हो। बाबा किन शब्दों में आपका गुणगान करुँ, महिमा करुँ, क्या कहूँ, क्या न कहूँ आपने तो मुझे अपना वारिस बना लिया, अधिकारी बच्चा बना लिया। ऐसा प्यार कौन बाप करता है, बाबा! सच में मेरा रोम–रोम अब पुलकित हो उठा है, आनन्दित हो उठा है, गद्‌गद् हो रहा हूँ कि मुझे मेरे पिता जी कल्प के बाद मिल गये हैं। कितनी ठोकरें खाता था, सतयुग में भी बाबा आपका ऐसा प्यार कहाँ मिलेगा....? मीठे बाबा, आप कितने निरहंकारी हो, बच्चों को नमस्ते करते हो, रोज यादप्यार देते हो। मीठे–मीठे बच्चे कहते हो।

बाबा! आप सतयुग के अपार सुखों का वर्सा देते हो। बाबा सच में धन्य–धन्य हो गया मैं, सब झंझटों से छुड़ा दिया आपने सब दुःखों से लिब्रेट कर दिया। कितना ऊँचा जीवन बना दिया, कभी सोचा ही नहीं था कि मैं ब्रह्माकुमार बनुँगा। आपका (शिवबाबा का) पोत्रा बनुँगा। अहो बाबा प्रजापिता ब्रह्मा मुख द्वारा मुझे अपना बनाया है। कुछ भी तो नहीं जानता था मैं, एकदम भटक गया था। बाबा आप 21 जन्मों के लिए सुख घनेरे देते हो। अकीचार सम्पत्ति देते हो। अहो! मैं कितना सौभाग्यशाली, पदमापदम भाग्यशाली हूँ जो मैं शिवबाबा मनुष्य सृष्टि रूपी वृक्ष बीजरूप बाप के सामने बैठा हूँ। सच में बाबा आपने तो अपना सबकुछ हमारे ऊपर न्यौछावर कर दिया। हे मेरे अव्यक्तमूर्त बाबा अभी ही सुख, शान्ति, पवित्रता, आनन्द, प्रेम, शक्ति और ज्ञान का सच्चा–सच्चा अनुभव होता है, अशरीरीपन का अनुभव होता है, भाग्य का सितारा नजर आता है। भाग्य का सितारा नज़र आता है। कहाँ मिलेगी बाबा ऐसी पालना। सच में, आपकी छत्रछाया में मैं बिल्कुल निश्चिंत हूँ। बाबा मैं आपका पक्का–पक्का वारिस औरों को भी जरुर वारिस बनाऊँगा।

सच में बाबा, बाप का प्यार क्या होता है वह अभी अनुभव होता है। लौकिक में तो कहाँ सच्चा प्यार मिला सारा जीवन सूखा–सूखा ही निकल गया है कितनी मारें भी खाई, दबाव में भी रहे, डर–डर कर सारा जीवन बिता दिया, एकदम निरस जीवन बन गया था। बाबा आपके इस प्यार ने सच में मेरा जीवन बदल दिया। खुशियाँ लौटा दी जीवन हरा भरा हो गा। बाबा आपका यह असीम प्यार सदा ही बरसता रहे, हर पल आपकी छत्रछाया का हाथ मेरे सिर पर रहे।

बाबा! अब मैं आपका आज्ञाकारी, ईमानदार बच्चा बन कर रहुँगा, बाबा! मैं आपका नाम जरुर रोशन करुंगा, यज्ञ रक्षक बन कर रहुँगा। आपकी आशाओं को जरुर पूर्ण करुँगा। आप जैसा मीठा–मीठा बन आपको जरुर प्रत्यक्ष करुँगा।